रागम्:	मॊहन
ताळं:	मिश्रचापु

पल्लवि
ई सम्शयमु वारिम्पव□परम□ नन्नु मन्निम्पव□

अनुपल्लवि
श्री सदा□व प्रश्न चसाद□ विवरिञ्चु वासुद□व तत्वमु
महत्त्यमु भास मानविलास न□निदे
नी सत्कृपावलॊकनमुन नी समयमुन
देलिय वलसिनद□समस्तमिद□प्र□ स्तमु

चरणम्-१
जान विञ्ञान निश्चल भक्ति वैराग्यानन्दमुलकु
निधानमै विन्न वेन्नवले म्रुदुवैन समानमै नुतिगन्न
मार्गमु मिन्न यैन बहु गॊप्यतरमैन यनूनमुग सेलविम्मु
चञ्चल ल□ितम्बिनुलकुनु न□ीदान दानव वैरि म्रोक्केनु

चरणम्-२
ई वाक्यमुन कथ मी वुगा कितरुलु
भाविञ्चि पलुक न□रुलेवरु ल□
द□वुडवै चेलुवुमीरु निन्नु ज□ धीरात्मुलु गॊरि
कॊर्केलीड□ ई वसुध □□□ लाधिपुडै नेरुग
राघवु चरितमु सुधावर्षमै
चेवुल पन्दुग गाविञ्चु सा□िञ्चु